Options Trading Strategies in Hindi Pdf

options trading strategies in hindi pdf: दोस्तों, शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करनेवाला हर एक इंसान

ऑप्शंस ट्रेडिंग से रूबरू जरूर होता है,

क्युकी ऑप्शंस ट्रेडिंग में कम समय में बहुत बड़ा मुनाफा कमाया जा सकता है,लेकिन क्या सच में

आपको ऑप्शंस ट्रेडिंग की सारी विधिया आती है,

आज इस ब्लॉग में हम ऑप्शन ट्रेडिंग में उपयोग की जानेवाली स्ट्रेटेजीज सीखेंगे।

Options trading strategies in hindi pdf

इसमें ऑप्शन ट्रेडिंग की स्ट्रेटेजीज शामिल हैं। प्रत्येक स्ट्रेटेजीज का लक्ष्य बाजार सिचुएशन से लाभ उठाना है।

कवर्ड कॉल(Covered Call): इस रणनीति में आप एक स्टॉक खरीदते हैं और उसके लिए कॉल ऑप्शन बेचते हैं। इससे स्टॉक की कीमत बढ़ने से बचते हैं, लेकिन लाभ कम होता है।
Protective Put: विपरीत परिणामों से बचने के लिए, मूलभूत स्टॉक की मालिकी में शामिल होकर पुट विकल्प खरीदना,इस रणनीति में आप एक स्टॉक खरीदते हैं और उसके साथ एक पुट ऑप्शन खरीदते हैं। यह आपके स्टॉक की कीमत घाटे को कम करता है।
Call Option Kharidna (Buy Call Option): आप रणनीति में एक कॉल ऑप्शन खरीदते हैं? कॉल ऑप्शन आपको एक निश्चित समय तक एक निश्चित कीमत पर स्टॉक खरीदने का अधिकार देता है। जब स्टॉक की कीमत बढ़ती है, आप कॉल ऑप्शन खरीदते हैं।

Put Option Kharidna (Buy Put Option):

आप रणनीति में पुट ऑप्शन खरीदते हैं? आप एक पुट ऑप्शन का उपयोग करके एक निश्चित समय तक स्टॉक को एक निश्चित मूल्य पर बेचने का अधिकार पाते हैं।
जब आप स्टॉक की कीमत घाटे की उम्मीद रखते हैं, तो आप पुट ऑप्शन खरीदते हैं।

स्टैडल(Straddle):

स्ट्रैडल स्ट्रैटेजी में आप पुट और कॉल ऑप्शन को एक ही एक्सरसाइज प्राइस पर खरीदते हैं। स्टॉक की अधिक अस्थिरता पर इससे लाभ मिल सकता है।

Long Strangle Strategy:

लॉन्ग स्ट्रैंगल स्ट्रैटेजी में आप पुट और कॉल दोनों खरीद सकते हैं, लेकिन डोनो के एक्सरसाइज की कीमतें अलग होती हैं। स्टॉक की अधिक वोलैटिलिटी पर इससे आपको लाभ मिल सकता है।

Short Strangle Strategy:

शॉर्ट स्ट्रैंगल स्ट्रैटेजी में आप एक कॉल ऑप्शन और एक पुट ऑप्शन को एक साथ बेच सकते हैं, लेकिन डोनो के एक्सरसाइज की कीमतें अलग होती हैं। जब स्टॉक की कीमत साइड वेज़ रहती है, आप इससे लिमिटेड लाभ कमाते हैं।

बटरफ्लाय स्प्रेड(Butterfly Spread):

एक ही प्रकार (कॉल या पुट) के लॉन्ग और शॉर्ट विकल्पों का संयोजन करता है जिनमें तीन अलग-अलग स्ट्राइक मूल्य हैं, एक निश्चित जोखिम और लाभ सीमा की उम्मीद के साथ जब मूलधन एक निश्चित सीमा के भीतर बना रहता है।

कॉलर(collar):

ताकि पुट की लागत को कम किया जा सके, अक्सर संभावित क्षति की सीमा निर्धारित करने के लिए, सुरक्षित पुट विकल्प खरीदने और कवर्ड कॉल बेचने का संयोजन करता है।

Iron Condor:

आयरन कंडोर एक साइड वेज़ ऑप्शंस स्ट्रेटेजी है, जिसमें आप पुट और कॉल दोनों को खरीद और बेच कर एक रेंज-बाउंड मार्केट में मुनाफा कमाते हैं।

डेबिट स्प्रेड (Debit Spread):

लेकिन स्थिति स्थापित करने के लिए आपको किक्रेडिट स्प्रेड की तरह नेट डेबिट देना होगा।

क्रेडिट स्प्रेड (Credit Spread):

नेट क्रेडिट जमा करने की उम्मीद से, एक स्थिति स्थापित करने के लिए तत्काल खरीददारी और विपणन के विकल्प बेचने की जरूरत है।

कैलेंडर स्प्रेड(Calender Spread):

विभिन्न समय पर एक ही स्ट्राइक मूल्य पर विकल्प खरीदने से समय की क्षयता में अंतर का लाभ मिलता है।

वर्टिकल स्प्रेड(Verticle Spread):

एक ही प्रकार (कॉल या पुट) के विकल्पों की खरीददारी और बेचकर एक ही समय पर विभिन्न स्ट्राइक मूल्यों का संयोजन करता है

Bull Call Spread Strategy:

बुल कॉल स्प्रेड रणनीति में आप एक कॉल विकल्प खरीदकर उसे उच्च व्यायाम मूल्य पर बेचते हैं। जब स्टॉक की कीमत बढ़ती है, इसमें आपको लाभ मिलने की संभावना कम होती है।

Bear Put Spread Strategy:

बेयर पुट स्प्रेड तकनीक में आप एक पुट ऑप्शन खरीदते है और लोअर स्ट्राइक का पूट बेचते हैं। जब स्टॉक की कीमत गिरती है, इससे आपको लाभ मिल सकता है।

रेशियो स्प्रेड **(Ratio Spread)**:

स्थिति स्थापित करने के लिए, एक निवेशक एक दिशा में एक महत्वपूर्ण मूल्य चाल की उम्मीद करता है, तो उसे असमान अनुपात में विकल्पों की खरीददारी और बेचने की आवश्यकता होती है।

डायगोनल स्प्रेड**(Diagonal Spread)**:

विभिन्न स्ट्राइक मूल्यों और विकल्पों का समय-समय पर संयोजन विकल्प श्रृंखला पर एक डायगनल रेखा बनाता है।

बॉक्स स्प्रेड (box Spread):

यहाँ, बेयर पुट स्प्रेड और बुल कॉल स्प्रेड को मिलाकर दोनों विकल्पों का मूल्य अंतर का लाभ उठाना होगा।

सिंथेटिक लॉन्ग स्टॉक (Synthetic Long Stock):

वृद्धि के मूल्य की ओर मूलभूत स्टॉक मालिकी के मूल्य और संवाद की प्रोफाइल को लागू करने के लिए एक कॉल विकल्प और एक पुट विकल्प का संयोजन करता है, जिनका समान स्ट्राइक मूल्य और समय समय है।

आयरन बटरफ्लाय(Iron Butterfly):

जब एक निवेशक न्यूनतम मूल्य चाल की उम्मीद करता है, तो वह दोनों आयरन कॉन्डोर और बटरफ्लाई स्प्रेड रणनीतियों को एकजुट करता है।

रेशियो कॉल सेल (Ratio Call Sell) :

जब एक निवेशक सीमित मूल्य चाल की उम्मीद करता है, तो वे शेयरों की संख्या से अधिक कॉल विकल्प बेचते हैं।

जेड लिजर्ड(Jade Lezard):

पुट और कॉल स्प्रेड दोनों को एक ही कपड़े पर बेचना, अक्सर कॉल स्प्रेड वर्तमान मूल्य के साथ।

ये कुछ आम ट्रेडिंग रणनीतियाँ हैं। याद रखें कि हर रणनीति में इनाम और जोखिम कारक होते हैं,

और आपको बाजार की परिस्थितियों का ज्ञान होता है क्योंकि आपको कोई भी रणनीति चुननी चाहिए।

ऑप्शन ट्रेडिंग में निवेश करने से पहले पर्याप्त रिसर्च और समझदारी करना महत्वपूर्ण है।

इस article में हमने ऑप्शन्स ट्रेडिंग की रणनीतियाँ (options trading strategies in hindi pdf) जान ली।

अब आनेवाले ब्लॉग में उन स्ट्रेटेजीज के बारे में जानेंगे।